



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 276]
No. 276]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 15, 2007/ज्येष्ठ 25, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 15, 2007/JYAISTHA 25, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जून, 2007

सं. 36/2007-सेवा कर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th June, 2007

No. 36/2007-Service Tax

सा.का.नि. 433(अ).—चूँकि केन्द्रीय सरकार को यह विश्वास है कि टेलीग्राफ प्राधिकारी अंतर्राष्ट्रीय आवक रोमिंग ग्राहकों को प्रदान की जा रही रोमिंग सेवा पर वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) (जिसका उल्लेख इससे आगे वित्त अधिनियम के रूप में किया जाएगा) की धारा 66 के अंतर्गत सामान्यतः सेवा कर (उसकी गैर-उगाही सहित) लगाया जा रहा था, तथा ऐसी सेवाएं, जो कर योग्य होने के कारण, जिन पर वित्त अधिनियम की धारा 65 के खण्ड (105) के उप-खण्ड (ख) के अंतर्गत सेवा कर लगाया जाना चाहिए था, परन्तु जिन पर 1-7-1994 से लेकर 14-1-2007 तक की अवधि के दौरान उक्त प्रक्रिया के अनुसार सेवा कर नहीं लगाया गया था।

अतः, वित्त अधिनियम की धारा 83 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11 सी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि उपर्युक्त अवधि के दौरान टेलीग्राफ प्राधिकारी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आवक रोमिंग ग्राहक को प्रदान की गई रोमिंग सेवा पर देय वह सेवा कर, जोकि उक्त प्रक्रिया के अनुसार नहीं लगाया गया था, पर अब सेवा कर का भुगतान अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 149/4/2005-के.उ. शु. 4]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

G.S.R. 433(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of service tax (including non-levy thereof), under Section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the Finance Act), on roaming service provided to an international in-bound roaming subscriber, by a telegraph authority, and that such services being a taxable service were liable to service tax under sub-clause (b) of clause (105) of Section 65 of the Finance Act, which was not being levied according to the said practice during the period commencing from the 1st day of July, 1994 and ending with the 14th day of January, 2007;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) read with Section 83 of the Finance Act, the Central Government hereby directs that the service tax payable on roaming services provided by a telegraph authority to an international in-bound roaming subscriber, which was not being levied in accordance with the said practice, shall not be required to be paid in respect of such roaming service provided during the aforesaid period.

[F.No. 149/4/2005-CX.4]

RAHUL NANGARE, Under Secy.